हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पन्थाघाटी, शिमला में विश्व पर्यावरण दिवस - 2015 का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पन्थाघाटी, शिमला में आज दिनांक 05.06.2015 को विश्व पर्यावरण दिवस - 2015 का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों,

अधिकारियों तथा कर्मचारियों नें भाग लिया । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, डॉ. वी. पी. तिवारी मुख्य अतिथि थे । संस्थान के विस्तार अधिकारी, श्री प्रदीप भरद्वाज, उप-अरण्यपाल, नें मुख्य अतिथि एवं उपस्थित वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया और विश्व पर्यावरण दिवस की पृष्ठभूमि तथा इससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी । तत्पश्चात संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, डॉ. कुलराज सिंह कपूर एवं डॉ. जगदीश सिंह नें प्रदर्शन के माध्यम से वर्तमान परिपेक्ष्य में पर्यावरण के क्षेत्र में मुख्य चुनौतियों एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला ।

डॉ. जगदीश सिंह नें अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते हुए तापमान पर चिंता प्रकट करते हुए इसे विश्व के सामने एक चुनौती के रूप में प्रस्तुत किया । डॉ. कुलराज सिंह कपूर नें अपनी प्रस्तुति में कहा कि हमारे संसाधन सीमित है परन्तु हमारी आवश्यकतायें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग सोच समझ कर करना चाहिए ।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, डॉ. वी. पी. तिवारी नें कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस सयुंक्त राष्ट्र द्वारा प्रकृति को समर्पित दुनियाभर में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा उत्सव है । प्रतिवर्ष यह दिवस हमें उपभोक्ता के नाते पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी वचनबद्धता की याद दिलाता है । डॉ. वी. पी. तिवारी नें बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस - 2015 का विषय है - **सात अरब सपने - एक भूमण्डल - सावधानी से उपयोग करें (Seven Billion Dreams – One Planet – Consume with Care)**। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकाश डालते हुए डॉ. तिवारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए मनाया जाता है । उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि उपभोक्ता के रूप में हमारे दैनिक निर्णयों/ गतिविधियों का पर्यावरण पर भारी प्रभाव पड़ता है । प्राकृतिक संसाधानों का अवक्षय या नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा हमारे उपभोग पर निर्भर करती है । डॉ. वी. पी. तिवारी नें कहा कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है फिर भी हमें अलग से यह दिवस मनाकर पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवश्यकता है। यदि मानव समाज प्रकृति के नियमों का भलीभाँति अनुसरण करें तो उसे कभी भी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं में कमी नहीं रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान युग औद्योगिकीकरण और मशीनीकरण का युग है। जहाँ आज हर काम को सुगम और सरल बनाने के लिए मशीनों का उपयोग होने लगा हैं , वहीं पर्यावरण को हानि भी हो रही और परिणामस्वरूप प्रकृति कई आपदाओं का शिकार होती जा रही हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन को विश्व एवं देश में एक मुख्य समस्या के रूप में देखा जा रहा है ।

डॉ. तिवारी नें अंत में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और उनसे आहवान किया कि हिमालयन क्षेत्र की नाजुक पारिस्थितिकी को मद्देनजर रखते हुए तुरुन्त प्रभावी कदम उठायें जायें ।

विश्व पर्यावरण दिवस - 2015 की झलकियाँ

विश्व पर्यावरण दिवस - 2015 की झलकियाँ

प्रिंट मीडिया में प्रकाशन

हिमाचल दस्तक - 06.06.2015

बढ़ते तापमान पर जताई चिंता

हिमाचल दस्तक ब्यूरो शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी शिमला में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों नें भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर संस्थान के विस्तार अधिकारी प्रदीप भारद्वाज, उप-अरण्यपाल, ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया और विश्व पर्यावरण दिवस की पृष्ठभूमि तथा इससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। इसके बाद संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, डॉ. कुलराज सिंह कपूर एवं डॉ. जगदीश सिंह ने प्रदर्शन के माध्यम से वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण के क्षेत्र में मुख्य चुनौतियों एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ.जगदीश सिंह जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते हुए तापमान पर चिंता प्रकट की तथा कहा कि विश्व के सामने यह एक चुनौती के रूप में खड़ा है। डॉ. कुलराज सिंह कपूर ने कहा कि हमारे संसाधन सीमित है परंतु हमारी आवश्यकताएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग सोच-समझ कर करना चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपस्थित संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. वीपी तिवारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस सयुंक्त राष्ट्र द्वारा प्रकृति को समर्पित दुनियाभर में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष यह दिवस हमें उपभोक्ता के नाते पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी वचनबद्धता की याद दिलाता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर डॉ. तिवारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता के रूप में हमारे दैनिक निर्णयों, गतिविधियों का पर्यावरण पर भारी प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक संसाधनों का अवक्षय या नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा हमारे उपभोग पर निर्भर करती है। तिवारी ने कहा कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है फिर भी हमें अलग से यह दिवस मनाकर पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवश्यकता है। यदि मानव समाज प्रकृति के नियमों का भलीभांति अनुसरण करें तो उसे कभी भी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं में कमी नहीं रहेगी। तिवारी ने अंत में पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

पंजाब केसरी - 06.06.2015

शिमला(राक्टा): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों नें भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। संस्थान के विस्तार अधिकारी प्रदीप भारद्वाज ने मुख्यातिथि, उपस्थित वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया और विश्व पर्यावरण दिवस की पृष्ठभूमि तथा इससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। तत्पश्चात संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों डा. कुलराज सिंह कपूर और डा. जगदीश सिंह ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण के क्षेत्र में मुख्य चुनौतियों एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डा. जगदीश सिंह ने अपने जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते हुए तापमान पर चिंता प्रकट करते हुए इसे विश्व के सामने एक चुनौती के रूप में प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी Sat, 06 Ju
epaper.pun

दैनिक भास्कर - 06.06.2015

तिवारी ने की वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना

सिटी रिपोर्टर | **शिमला**

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी शिमला में शुक्रवार विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी मुख्यातिथि रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रकृति को समर्पित दुनियाभर में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा उत्सव है। इस विषय है, सात अरब सपने, एक भूमंडल, सावधानी से उपयोग करें।

उन्होंने पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में संस्थान के वैज्ञानिकों की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और उनसे आह्वान किया कि हिमालयन क्षेत्र की नाजुक पारिस्थिति को मद्देनजर रखते हुए तुरंत प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। संस्थान के विस्तार अधिकारी, उप-अरण्यपाल प्रदीप भारद्वाज ने पर्यावरण दिवस से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिको डॉ. कुलराज सिंह कपूर एवं डॉ. जगदीश सिंह ने प्रदर्शन के माध्यम से वर्तमान परीपेक्ष्य में पर्यावरण के क्षेत्र में मुख्य चुनौतियों एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।